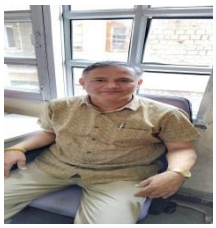

नाम	डॉ. अशोक कुमार
सम्पर्क	88945-35331,94598-85922
शैक्षणिक	पीएच-डी.
धारित प्रमुख दायित्व	सह-आचार्य, भाषा संकाय , हिंदी विभाग
सेवाकाल के दौरान धारित कार्यभार	राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी राजकीय महाविद्यालय, कुकुमसेरी (लाहौल-स्पिति) 2002-2007 पुस्तकालय अध्यक्ष, राजकीय महाविद्यालय , वंजार (हि.प्र.) (मई 2021-अप्रैल, 2022) विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग राजकीय महाविद्यालय कुल्लू (हि.प्र.) (जून 2022- जनवरी, 2023) IGNOU, परामर्श दाता (हिंदी विभाग) अक्टूबर, 2012- जनवरी, 2023
शोध अभिरुचि	1. भक्तिकाल 2. प्रयोजनमूलक हिंदी 3. लोक साहित्य
प्रकाशन पुस्तकें	➢ नव भोर की नव रश्मि (काव्य संग्रह), अरुण प्रकाशन, चंडीगढ़ वर्ष 2007 ISBN -978-81-8048-105-5 ➢ समता मूलक दर्शन के प्रस्तोता: संत सुंदरदास, अरुण प्रकाशन, चंडीगढ़ वर्ष 2007 ISBN-978-81-8048-104-2 ➢ प्रशासनिक हिंदी, अरुण प्रकाशन, चंडीगढ़ वर्ष 2011

	ISBN- 978-81-8048-160-4 ➢ रोशन हो जहान रोशनी से, अरुण प्रकाशन, चंडीगढ़ वर्ष 2012 ISBN- 978-81-8048-182-6 ➢ ध्रुवस्वामिनी : एक समीक्षात्मक मूल्यांकन , अरुण प्रकाशन, चंडीगढ़ वर्ष 2012 ISBN- 978-81-8048-81-9 ➢ चन्द्रभागा में एक बूँद, एन.के. इंटरप्राइजेज चंडीगढ़ वर्ष 2015 ISBN-978-81-89-331-44-3 ➢ संवेदना के पथ पर (हाइकु), के. एल. पचौरी प्रकाशन वर्ष 2018 ISBN- 978-81-935889-5-6 ➢ समय से संवाद, न्यू इरा चंडीगढ़ वर्ष 2018 ISBN- 978-81-290-0193-1 ➢ आधुनिक साहित्य चिंतन, एन.के. इंटरप्राइजेज चंडीगढ़ वर्ष 20202 ISBN- 978-81-89331-99-3 ➢ हृदय वाणी (हाइकु), विम्ब- प्रतिविम्ब प्रकाशन फगवाड़ा (पंजाब) वर्ष 2023 ISBN-978-93-91562-39-7
सम्पादित पुस्तक में लेख	➢ विलक्षणा शोध पथ, आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा प्रणाली की पुनः सरंचना, सानिया पब्लिकेशन दिल्ली, डॉ. सुलक्षणा अहलावत, 2020, 9789389047219 ➢ शिक्षा की दार्शनिक दृष्टि और प्रणालियाँ,शिक्षा प्रणाली की पुनः संरचना,इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी बुक्स पब्लिकेशन जयपुर, डॉ. मिथिलेश कुमार शुक्ल, 2022 , 978-93-92267-02-4 ➢ डॉ. निशंक की रचनाशीलता के विविध आयाम, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की कहानियों में सामाजिक चेतना , अनंग प्रकाशन, डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण', 2022, 978-93-80845-51-7 ➢ संत काव्य के विविध आयाम, सुदंर दास के काव्य में नैतिकता, आरुण प्रकाशन चंडीगढ़, डॉ. अशोक कुमार , 2011 ISBN 978-81-8048-166-6 ➢ वैश्वीकरण के दौर में हिंदी, हिंदी राष्ट्र भाषा से अन्तर्राष्ट्रीय भाषा की और , निर्मल प्रकाशन दिल्ली, डॉ. सुखदेव सिंह - 2011 ISBN 81-86400-145-X ➢ मीडिया साहित्य समाज एवं सरोकार, मीडिया और

	जनमानस, अक्षरधाम प्रकाशन दिल्ली, डॉ. दयानन्द गौतम- 2013 ISBN 978-93-82341-86-4 ➢ स्त्री विर्मश वनाम नारी अस्मिता, इक्कीसवीं सदी में नारी का वैश्विक आदर्श, अरुण प्रकाश चंडीगढ़, डॉ. अशोक कुमार - 2013 ISBN 978-81-8048-233-5 ➢ साहित्यिक परिद्रश्य की चुनोतियाँ और दलित साहित्य, हिंदी साहित्य में दलित विमर्श, अरुण प्रकाश चंडीगढ़, डॉ. अशोक कुमार-2013 ISBN 978-81-8048-252-6 ➢ राम विलास शर्मा का आलोचनात्मक संसार, डॉ. राम विलास शर्मा और मानववाद, अरुण पब्लिशिंग चंडीगढ़, डॉ. कश्मीरी लाल-2014 ISBN 978-81-8048-265-6 ➢ मीडिया और हिंदी, हिंदी भाषा के विकास में मीडिया का योगदान, न्यू इरा चंदिगढ, डॉ अशोक सभ्रवाल-2015 ISBN 978-81-290-0125-2 ➢ भारतीय सिनेमा और नारी, भारतीय सिनेमा और नारी अस्मिता , नव भारत प्रकाशन दिल्ली, डॉ. दयानन्द गौतम - 2015 ISBN 978-93-82119-30-2 ➢ संत रविदास, संत रविदास की वाणी में समाजिक चेतना, अरुण पब्लिशिंग हाउस चंडीगढ़, डॉ. अशोक सभ्रवाल -2015 ISBN 978-81-8048-273-1 ➢ सिनेमा और सामाजिक सरोकार, सिनेमा और सामाजिक सरोकार, नव भारत प्रकाश दिल्ली, डॉ. दयानन्द गौतम- 2015 ISBN 978-93-82119-31-9 ➢ जीवन साहित्य और कला में राम, भारतीय समाज एवं राम, निर्मल पब्लिकेशन दिल्ली, डॉ. सुखदेव सिंह- 2018 ISBN 978-81-86400-346-X ➢ मानव मूल्य और सामाजिक सरोकार, संत साहित्य में मानवमूल्य, सानिया पब्लिकेशन दिल्ली , डॉ. दयानन्द गौतम/डॉ. इन्दर सिंह ठाकुर-2018 ISBN 978-81-907122-0-0 ➢ किसान विमर्श विविध आयाम, भारतीय कृषक और हिंदी उपन्यास, गीना प्रकाशन भिवानी, सुशील कुमार भगत - 2019 ISBN 978-81-936150-5-8 ➢ लोक साहित्य और संस्कृति , लोक साहित्य वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, गीना प्रकाशन भिवानी, डॉ. सारिका जैन -2019ISBN

	978-81-936150-8-9 ➢ शिक्षा साहित्य संस्कृति एवं लोक संस्कृति, लहौली संस्कृति में लोक गीतों का महत्व, साहित्य भूमि नई दिल्ली , डॉ. सुमन कुमारी -2018 ISBN 978-93-88583-69-5 ➢ भारतीय राजनितिक चिन्तन के आयाम, भारतीय समाज में गाँधी दर्शन की प्रासंगिकता, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी बुक्स जयपुर, डॉ. मिथिलेश -2022 ISBN 978-93-922-67-02-4
शोध पत्र	➢ सुंदरदास के काव्य में सामाजिक चेतना, हाइफन, शिमला (हि.प्र.), I, जनवरी 2010, 0975-2897 ➢ अमरेंदर सिंह बहादुर के काव्य में मानव मूल्य, रिसर्च लिंक, इंदौर (म.प्र.), IX, फरवरी 2011, 0973-1628 ➢ हिन्दी भाषा के विकास में प्रवासी भारतियों का योगदान, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCE INTERDISCIPLINARY APPROACH, NAGPUR (M.S),03, जून 2011, 0975 -7090 ➢ सुंदरदास के काव्य में आध्यत्मिक मूल्य, ANUSHILANA (BANARAS HINDU UNIVERSITY) VARANASI (U.P) ➢ लाहौली लोक गीतों में सामाजिक चेतना : एक अवलोकन,शिखर सामायिक, शिमला (हि .प्र) ➢ अमरेंदर सिंह बहादुर के काव्य में पर्यावरण चेतना :एक अध्ययन, ANUSILANA (BANARAS HINDU UNIVERSITY VARANASI (U.P),XXXIX, 2012, 0973-8762 ➢ ध्रुवस्वामिनी नाटक के नारी पात्रों में सामाजिक चेतना, Vaichariki A Multidisciplinary International Research Journal (U.P), II, मार्च 2012, 2229 -8907 ➢ वैश्विक परिप्रेक्ष्य में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल कंसर्न, गाजियाबाद (उ.प्र.),2, अप्रैल 2012, 2231 -5837

	➢ इक्कीसवीं सदी में शिक्षा की गुणवत्ता : एक अध्ययन, रिसर्च लिंक, इंदौर (म.प्र.), XI (3), मई 2012 , 0973 -1628 ➢ संत काव्य में गुरु की महत्ता, युगशिल्पी गाजियाबाद(उ.प्र.), 10, मार्च –अगस्त 2012, 0975 -4644 ➢ डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा के काव्य में मानवीय सम्वेदना, परिप्रेक्ष्य, वाराणसी (उ.प्र.)III, 2012, 2278-0602 ➢ संत रविदास की वाणी में मानववाद : एक मूल्यांकन, रिसर्च लिंक, इंदौर (म.प्र.), XI(8), अक्टूबर 2012, 0973-1628 ➢ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सहजो वाणी की प्रासंगिकता, रिसर्च लिंक, XII (4), जून 2013, 0973-1628 ➢ आमिर खुसरो का हिंदी काव्य: एक अध्ययन, रिसर्च लिंक, XII (5), जुलाई 2013, 0973-1628 ➢ राष्ट्रवाद बनाम आंतकवाद, रिसर्च लिंक, XII (7), सितम्बर 2013, 0973-1628 ➢ भौतिक वाद युग में बौध दर्शन की प्रासंगिकता, परिप्रेक्ष्य , वाराणसी (उo प्र0) VI, 2013, 2278-0602 ➢ पुनर्जागरण काल के जनक भारतेंदु युग ,ANUSILANA (BANARAS HINDU UNIVERSITY) VARANASI (U.P) ➢ पारिवारिक परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में नारी सशक्तिकरण, परिप्रेक्ष्य वाराणसी (उत्तर- प्रदेश)VII- मई 2013 ISSN 2278-0602 ➢ रैदास वाणी मैं बौद्ध दर्शन का प्रभाव, रिसर्च लिंक इन्दोर XII , जनवरी 2014 ISSN 0973-1628 ➢ मानवतावाद के संदर्भ में पलटूदास की वाणी में प्रासंगिकता , परिप्रेक्ष्य वाराणसी, IX -2014 ISSN 2278-0602 ➢ भारत में शिक्षा का स्वरूप एक अध्ययन, INDIAN MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOUNAL (M.S) ,2 जनवरी 2014 ISSN 2320-7434 ➢ शुभ दर्शन के काव्य में नारी विषयक अवधारणा, कश्फ़ 1 सितम्बर 2014 ISSN 2231-3869 ➢ मीडिया के नये आयाम, ANUSILINA , LIX- 2014 ISSN 093-8762 ➢ खान खाना अब्दुर्रहीम के काव्य में भाव विविधता , परिप्रेक्ष्य

	, XIV-201 ISSN 2278-0602 ➢ लाहौली लोक जीवन में प्रचलित त्योहार और संस्कार, परिप्रेक्ष्य, XVII- 2015 ISSN 2278-0602 ➢ सोजे वतन अर्थात देश का दर्द , ANUSILINA VARANASI, LXIII-2015 ISSN 0973-8762- ➢ संत साहित्य में सामाजिक चेतना, रिसर्च लिंक, इंदोर,XV8-2016, ISSN 0973-1628 ➢ समकालीन हिन्दी कविता में सामाजिक सरोकार, ANUSILANA, LXXIV 2017,0973-1628 ➢ मीराबाई के काव्य में भक्ति भावना, मीरायान, 41,मार्च-मई 2017 2455-6033 ➢ गुरु नानक देव :एक दिव्या पुरुष, परिप्रेक्ष्य, XX1V, 2017, 2278-0602 ➢ राष्ट्रवाद, राष्ट्रभाषा और hindi, बोहल शोध मंजुषा, भिवानी, सितम्बर 2018, 2395-7115 ➢ आधुनिकतावाद के परिप्रेक्ष्य में विज्ञापन और हिन्दी, रिसर्च लिंक, XVII, अक्टूबर 2018, 0973-1628 ➢ वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हाइकु का परिचय, विकास एवं प्रासंगिकता, रिसर्च लिंक, XVII(1) दिसम्बर2018, 0973-1628 ➢ अटल बिहारी बाजपेयी के काव्य में मानववाद , ANUSILANA, LXXX, 2018, 0973-1628 ➢ प्रेम और भक्ति की प्रतिमूर्ति :मीराबाई, मीरायन,4, दिसम्बर 2018 – फरवरी 2019, 2455-6033 ➢ सहजोबाई की भक्ति भावना, बोहल शोध मंजूषा,भिवानी, 10, Issue 2 E, 2019, 2395-7115 ➢ साहित्य में शोध की अनिवार्यता, बोहल शोध मंजूषा,E, APRIL 2020, 2395-7115 ➢ डॉ. पी. आर . वासुदेवन शेष के साहित्य में सामाजिक चेतना, बोहल शोध -2020, ISSN 2395-7115 ➢ हिन्दू संस्कृति और संस्कार, RESEARCH ANALYSIS & EVALUATION -2021 ISSN 2320-5482 ➢ गुरु जम्बेश्वर की वाणी में सामाजिक चेतना, RESEARCH ANALYSIS & EVALUATION -2021 ISSN 2320-5482

	➢ मीराबाई और स्त्री विर्मश , संगम ,Vol. 10-2022 ISSN 2321-8037 ➢ समाजकी चेतना के संदर्भ में लहौली लोक गीतों की प्रासंगिकता, बोहल शोध मंजूषा,भिवानी -2022, ISSN 235-711
सम्मान	➢ प्रधानमंत्री साहित्य मण्डल, श्री नाथ द्वारा (राजस्थान) से **हिन्दी भाषा भूषण** की मानद उपाधि। ➢ विक्रम शिला, हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा **'विद्या सागर'** (डि लिट) की मानद उपाधि । ➢ विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा **"भारत गौरव"** उपाधि। ➢ विश्व हिंदी संस्थान कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन , कनाडा द्वारा विश्व हिंदी साहित्यसृजक सम्मान -2023
प्रस्तुत शोध पत्र:-	➢ राजकीय महाविद्यालय हरिपुर (मनाली) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 21 दिसम्बर 2012 को मीडिया और जनमानस विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ भीलवाडा (राजस्थान) में STATE FEDERATION OF UNESCO ASSOCIATIONS द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 21 अप्रैल 2013 को "सुन्दर दास के काव्य में जीवन प्रेरक मूल्य " विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ राजकीय महाविद्यालय सुल्लू (हि० प्र०) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 04 दिसम्बर 2013 को सिनेमा और सामाजिक सरोकार " विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, गुना (म. प्र०) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं श्रीकृष्ण सरल विषय पर प्रस्तुत शोध पत्र ➢ बी० ए० बी० स्नातकोत्तर महाविद्यालय चण्डीगढ़ द्वारा 1 मार्च 2014 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **डॉ० रामविलास शर्मा और उनका आलोचना संसार** में दिया गया अध्यक्षीय भाषण । ➢ राजकीय महाविद्यालय कुल्लू (हि० प्र०) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 22 सितम्बर 2014 को **"भारतीय सिनेमा और नारी अस्मिता"** विषय पर प्रस्तुत शोध पत्रः ।

	➢ राजस्थान इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टीवल जयपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 28 अक्तूबर 2014 सिनेमा और सामाजिक सरोकार विषय पर प्रस्तुत शोधपत्र ➢ हिन्दी- विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्टी में 27 मार्च 2016 को संत सुन्दरदास की वाणी में सांस्कृतिक वैविध्य विषय पर विषय विशेषज्ञ भाषण | ➢ राजकीय महाविद्यालय से जिला गुल्लू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्टी 24 फरवरी 2017 को रोजगार के सन्दर्भ पर्यटन की प्रांसगिकता विषय शोध पत्र ➢ हिन्दी विभाग पंजाब विश्वविद्यालय मण्डीगढ़ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 8-9 सितम्बर 2017 को भूमण्डलीकरण हिन्दी का स्वरूप विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया तथा साक्ष के रूप में भाग लिया। ➢ स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय चण्डीगढ एवं अयोध्या शोध संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 17-18 नवम्बर 2017 को भारतीय समाज और रामविषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ रूपी- सिराज कला मंच द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 23 मार्च 2018 को संत साहित्य में मानव मूल्यविषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ रूपी सिराज कला मंच द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 09.10 सितम्बर 2010 को भाषा संस्कृति का लोक पर्याय विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ➢ साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा (राजस्थान) द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय हिन्दी उपनिषद् राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा का योगदान' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।